Roll No. ....

Total No. of Pages : 4

Total No. of Questions : 12

उत्तरमध्यमा प्रथमखण्ड

विषय कोड : 708

नव्यव्याकरणम्

चतुर्थ-प्रश्नपत्रम्

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 100**

निर्देश :– * **सर्वे** प्रश्नाः समाधेयाः।

* प्रश्नानां सम्मुखे अङ्काः प्रदत्ताः।

1. सत्यं विकल्पं चिनुत् – 5

(क) अपादाने कः विभक्तिर्भवति ? (तृतीया/पंचमी) 1

(ख) हरि शब्दात् सप्तम्येक वचने रूपम्। (हरी/हरौ) 1

(ग) गुणसंज्ञाविधायक सूत्रमस्ति। (आदगुणः/अदेङ्गुणः) 1

(घ) ए, ओ, ऐ, औ वर्णाणां भेदाः। (द्वादश/अष्टादश) 1

(ङ) अन्त्याचः इत्संज्ञा विधायक सूत्रमस्ति। (हलन्त्यम्/उपदेशेऽजनुनासिक इत्) 1

2. रिक्तस्थानं पूरयन्तु (उचित विकल्पेन) – 5

(क) 'किम्' शब्दः .... अस्ति। (अजन्त, हलन्त) 1

(ख) .... स्वराणाम्। (विवृत, संवृत) 1

(ग) अन्तस्थ वर्णाः ....। (अण, यणः) 1

(घ) 'हरिणा' इत्यत्र .... प्रत्ययोऽस्ति। (णा, रा) 1

(ङ) नस्य णत्व विधायक .... सूत्रमस्ति। (पदान्तस्य, सुपि च) 1

3. अतिलघूत्तरीया: प्रश्ना: – 5×1=5

(क) वैयाकरण सिद्धान्तकौमुद्या: रचनाकार: क: अस्ति ?

(ख) व्याकरणे कति स्वरा: सन्ति ?

(ग) उपदेश शब्दस्य किं प्रयोजनम् ?

(घ) परिभाषा प्रकरणे कति सूत्राणि सन्ति ?

(ङ) वैयाकरण सिद्धान्तकौमुद्या: द्वितीय प्रकरणस्य नाम किमस्ति ?

4. लघूत्तरीया: प्रश्ना: – 5×2=10

(क) पदसंज्ञा विधायकं सूत्रं किमस्ति ?

(ख) उदात्त संज्ञा केन सूत्रेण भवति ?

(ग) प्रत्याहार विधायक सूत्रं किमस्ति ?

(घ) पदान्ते मकारस्य अनुस्वार: केन सूत्रेण भवति ?

(ङ) मङ्गलाचरणे 'मुनित्रयं' कस्य बोधक: ?

5. अधोलिखितानि सूत्राणि पूरयन्तु – 5×2=10

(क) न पदान्तद्विर्वचन .... बिधिषु।

(ख) जानपदकुण्ड .... केशवेशेषु।

(ग) अप्तृन्तृच .... प्रशास्तृणाम्।

(घ) अव्ययं विभक्ति समीप .... कल्पान्त वचनेषु।

(ङ) स्वौज समौट् .... सुप्।

6. अधोलिखितेषु अव्ययपदं चिनुत् – 5×1=5

(क) पापी अचिरं फलं लभेत्।

(ख) अधुना भारतं स्वतंत्रमस्ति।

(ग) अहमपि गृहं गमिष्यामि।

(घ) अत्रागच्छ कृष्ण! दुग्धं पिव।

(ङ) अथ श्री महाभारत कथा।

7. युग्म मेलनं कुरुत – 5×1=5

(क) अष्टाध्यायी	तृतीयैकवचन
(ख) प्रादय:	प्रत्यय
(ग) शेषो ध्यसखि	पाणिनि
(घ) हरिणा	द्वाविंशति
(ङ) यावत्	धि संज्ञा

8. अधोलिखित सूत्रेषु कश्चिद् **द्वयोः** व्याख्या कार्या – 2×5=10

(क) एचोऽयवायाव:।

(ख) अक: सवर्णे दीर्घ:।

(ग) एङ: पदान्तादति।

(घ) मोऽनुस्वार:।

9. निर्देशानुसारं शब्दरूपाणि लिखत् – 5×3=15

(क) 'भवत्' शब्दस्य द्वितीयां रूपाणि।

(ख) 'सखि' शब्दस्य सप्तम्यां रूपाणि।

(ग) 'तत्' शब्दस्य षष्ठ्यां रूपाणि।

(घ) 'किम्' शब्दस्य प्रथमायां रूपाणि।

(ङ) 'राजन्' शब्दस्य तृतीयां रूपाणि।

10. प्रातिपदिक संज्ञा विधायकानि सूत्राणि व्याख्यायताम्। 1×5=5

अथवा

तिङ् प्रत्यया: लिखत।

11. अव्ययस्य लक्षणं लिखन्तु। 1×5=5

अथवा

'हरये नम:' इत्यत्र केन सूत्रेण चतुर्थी भवति ?

12. सूत्रनिर्देशानुसारं अधोलिखितेषु **चत्वार:** प्रयोगा: समाधेया: – 4×5=20

कृष्णैकत्वम्, मनोरथ:, रामाय्, पन्था:, यून:, हरिणा।

152